



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 श्रावण 1937 (श10)

(सं० पटना 897)

पटना, बुधवार, 5 अगस्त 2015

ty | d k/ku foikkx

अधिसूचना

14 tgykbz 2015

सं० 22 / नि०सि०(सम०)-०२-११/२०११/१५९७—श्री चन्द्रकेतु नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल सं०-१, झंझारपुर के पदस्थापन के दौरान उक्त प्रमंडलाधीन बाढ, 2010 के पूर्व सात अदद एजेण्डा के तहत सम्पादित कठाव निरोधक कार्यों की भौतिक जाँच विभागीय उडनदस्ता अंचल से करायी गयी। उडनदस्ता से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त बाढ नियंत्रण प्रमंडल सं०-१, झंझारपुर के अंतर्गत एजेण्डा सं०-१०१/३९१ के तहत पायलट चैनल के निर्माण कार्य में बिना प्री लेवल लिए तथा सम्बद्ध प्रमंडल से जाँच कराये ही कार्य कराने के लिए प्रथम दृष्ट्या दोषी पाते हुए विभागीय पत्रांक 767 दिनांक 11.07.12 द्वारा श्री नारायण से स्पष्टीकरण पूछा गया। स्पष्टीकरण का जवाब अप्राप्त रहने की स्थिति में मामले की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं समीक्षोपरान्त पायलट चैनल का कार्य बिना प्री लेवल लिए एवं असम्बद्ध प्रमंडल से बिना जाँच कराये ही कार्य कराने का आरोप प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित पाते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 660 दिनांक 11.06.13 द्वारा श्री चन्द्रकेतु नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ नियंत्रण प्रमंडल सं०-१, झंझारपुर सम्प्रति सेवानिवृत के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी०) के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गयी। श्री नारायण के विरुद्ध निम्न आरोप गठित किये गये:—

‘एजेण्डा सं० 101/३९१ में पायलट चैनल से संबंधित कार्य की मापी एवं प्रविष्टि के अवलोकन से स्पष्ट है कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व स्थल का प्री लेवल नहीं लिया गया। निर्धारित विभागीय प्रक्रिया के तहत मिट्टी कार्य सम्पादित किये जाने के पूर्व स्थल का प्री लेवल लेते हुए उसकी जाँच असम्बद्ध प्रमंडल से कराया जाना अनिवार्य है। साथ ही मिट्टी कार्य की गणना प्रत्येक 30 मी० के अंतराल पर सेक्सनल मापी के आधार पर किया जाना अपेक्षित है जिसका अनुपालन इनके द्वारा नहीं किया गया। वर्णित परिस्थिति में वित्तीय अनियमितता से इंकार नहीं किया जा सकता है जिसके लिए आप दोषी हैं।’

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं समीक्षोपरान्त संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुए श्री चन्द्रकेतु नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध विभागीय प्रक्रिया एवं उच्चाधिकारियों के निदेश का उल्लंघन करते हुए पायलट चैनल के निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व प्री लेवल नहीं लेने तथा उसकी जाँच असम्बद्ध प्रमंडल से नहीं कराने के प्रक्रियात्मक त्रुटि का आरोप को प्रमाणित पाया गया परन्तु किसी प्रकार का वित्तीय अनियमितता परिलक्षित नहीं पाया गया। उक्त प्रक्रियात्मक त्रुटि के लिए श्री नारायण से विभागीय पत्रांक 1822 दिनांक 03.12.14 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गयी।

श्री नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सम्प्रति सेवानिवृत्त से स्मारित किये जाने के बावजूद द्वितीय कारण पृच्छा का जवाब अप्राप्त रहा। तदुपरान्त मामले की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि श्री चन्द्रकेतु नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध किसी प्रकार का वित्तीय अनियमितता बरतने का कोई तथ्य न तो संचालन पदाधिकारी के प्रतिवेदन में है न ही उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन से ही परिलक्षित होता है। साथ ही पायलट चैनल बाढ़ अवधि में प्रभावकारी एवं उपयोगी रहा है। मात्र प्रक्रियात्मक त्रुटि एवं उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने का आरोप प्रमाणित है।

श्री चन्द्रकेतु नारायण सेवानिवृत्त (दिनांक 31.10.2011) है और इनके द्वारा मात्र प्रक्रियात्मक त्रुटि किया गया प्रमाणित है। ऐसी स्थिति में सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता श्री चन्द्रकेतु नारायण को आरोप मुक्त करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री चन्द्रकेतु नारायण, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल सं0-1, झंझारपुर सम्प्रति सेवानिवृत्त को आरोप मुक्त किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
गजानन मिश्र,
विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 897-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>